

सुन्दर ताम (१७५)

साई साहिब सुख धाम बणिया आहिनि ताम
वेनती इहा वार वार आ।

खारायो श्री राम सीय राम अबल अभिराम
वेनती इहा वार वार आ॥

कंचन थालनि भोजन आया किस्में किस्में स्वाद सुहाया
पूरी पापड़ और पकोड़े सलोनी आ कचौड़ी— वेनती॥

खुरिमा खाज़ा ऐं मिठिड़ी मलाई
मोहन भोगु जलेबी भी आई
गीहर सेव सलोने भरे हैं दोनों—वेनती॥

चांवर पुलाउ ऐं तांहिरी रसीली
वाह वाह नुखिती आ नेह नशीली
बणियो भाज़ियुनि जो भण्डार मसाले—वेनती॥

भरी पिस्ता बादाम मिठाई रस गुलनि भी रौनक लाई
खाओ ज़मू माएदार आनंद अपार—वेनती॥

रस रंग भिना भोजन प्यारा खारायो युगल खे साई
सुकुमारा

थिये आनंद बरिसात सुखड़ो सरसात—वेनती॥

जुग जुग कायमु अन्नकूट आनंद मौजूं माणे श्री मैगसि
चंद

गायूं था मंगलावार बाबल जैकार—वेनती॥